तापमान
अधिकतम 30.8 डिग्री
न्यूनतम 12.3 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 23 मार्च 2026

9 समाज सेवा समिति ने तीन जोड़ों का करवाया विवाह

10 रैली में विकास का पिटारा खोलेंगे सीएम : डॉ. अरविंद

खबर संक्षेप

दूध विक्रेता से मारपीट जान से मारने की धमकी

गन्नौर । रेलवे रोड से जनता स्कूल रोड की ओर जा रहे दूध सप्लायर के साथ कुछ युवकों ने मारपीट कर दी। मारपीट करने के बाद हमलावर उसे जान से मारने की धमकी दे कर फरार हो गए। घायल ने मामले की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में अशोक कुमार देवीदास पुरा, कुरुक्षेत्र ने बताया कि वह अपनी गाड़ी में करनाल से दूध लेकर सोनीपत जा रहा था। जब वह अपने साथी सूरज के साथ गन्नौर के रेलवे रोड से होते हुए जनता स्कूल रोड पर पहुंचे, तभी एक वर्ना व एक स्विफ्ट कार में सवार 5-6 युवकों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि युवकों ने दोनों के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पांची जाटान सरपंच का चुनाव कल

गन्नौर । गांव पांची जाटान के निलंबित सरपंच अशोक के स्थान पर अब पंचायत का कार्यभार किसे सौंपा जाएगा, इसका निर्णय 24 मार्च को होगा। यह चुनाव बीडीपीओ कार्यालय में बीडीपीओ राजेश टिवाणा की देखरेख में कराया जाएगा। जिस पंच के पक्ष में बहुमत होगा, उसे सरपंच का चार्ज सौंप दिया जाएगा। गौरतलब है कि सरपंच अशोक को विकास कार्यों में अनियमितताओं और पंचायत रिकार्ड उपलब्ध न कराने के आरोपों के चलते तत्कालीन उपायुक्त सुशील सरवान ने 13 मार्च को निलंबित कर दिया था। जांच में ई-रिक्शा मरम्मत में गड़बड़ी, पंचायत फंड के दुरुपयोग और बिना अनुमति पेड़ कटवाने जैसे आरोप सामने आए थे। जांच रिपोर्ट के आधार पर कारण बताओ नोटिस का जवाब संतोषजनक न मिलने पर कार्रवाई की गई।

बाइक चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। थाना शहर गोहाना की पुलिस टीम ने बाइक चोरी की घटना में संलिप्त दूसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मोहित निवासी गांव मुंडलाना हाल शांति नगर, मोर चौक, गोहाना में रहता है। जिला जींद के गांव ललित खेड़ा के कुलबीर पुत्र ईश्वर सिंह ने 29 दिसम्बर 2024 को शहर गोहाना में बाइक चोरी की शिकायत दी थी। पुलिस ने इस घटना में संलिप्त आरोपित मोहित पुत्र आजाद निवासी गांव बुटाना को चोरीशुदा बाइक सहित पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब पुलिस ने इस घटना में दूसरे आरोपित मोहित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश करके उसके आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सड़कों व गलियों में फैले कचरे से शहर में नर्क जैसे हालात, सफाई के नाम पर चुप्पी

कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त होने के बाद भी सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं

- नियमित उठान न होने से शहरवासी परेशान, जगह जगह लगे कूड़े के ढेर
- कई जगह आंशिक रूप से कूड़ा उठाया जा रहा, बाकी जगह सड़ रहा कचरा
- शहर के पॉश इलाकों में भी हालत बिगड़े, सफाई करने वाला कोई नहीं

सोनीपत। लाइनपार गुड़ मंडी क्षेत्र में सड़क पर फैला कूड़ा।

सोनीपत। गीता भवन रोड पर डंपिंग प्वाइंट से कूड़ा उठाते कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त होने के बावजूद शहर की सफाई व्यवस्था पटरी पर नहीं लौट पाई है। कई इलाकों में कूड़े के ढेर लगे हैं और नियमित उठान न होने से शहरवासी परेशान हैं। सफाई व्यवस्था चौपट होने के कारण शहर में नर्क जैसे हालात बन गए है। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहे। शहर के कई हिस्सों में कूड़े का उठान आंशिक रूप से हो रहा है, जबकि कई जगहों पर कई दिनों से कचरा नहीं उठाया गया। घरों से कूड़ा न उठने के कारण लोग मजबूरी में सड़कों, गलियों और चौक-चौराहों पर कचरा डाल रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है। कूड़े के ढेर से दुर्गंध फैल रही है और संक्रमण का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। सफाई अव्यवस्था को लेकर शहर के पॉश इलाके भी अछूते नहीं हैं। नगर निगम अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद सफाई नहीं हो रही है। सोनीपत नगर सुधार मंच के चेयरमैन संजय सिंगला और अन्य सदस्यों ने बताया कि गंदगी के कारण आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को रोजाना गंदगी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। लोगों का कहना है कि वे लगातार नगर निगम कार्यालय में शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है। इससे नगर निगम के प्रति लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नागरिकों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर सफाई व्यवस्था सुधारने और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

लाइन पार क्षेत्र में हालात चिंताजनक

उधर, लाइन पार क्षेत्र, खासकर गुड़ मंडी, काठ मंडी व गोहाना रोड क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की खराब स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। कई दिनों से नियमित सफाई नहीं होने के कारण क्षेत्र में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं, जो अब मुख्य सड़कों तक फैल चुके हैं। संजय सिंगला ने बताया कि गंदगी के कारण क्षेत्रवासियों का जीवन अत्यंत प्रभावित हो रहा है। बदबू व कचरे के ढेरों से न केवल आमजन को परेशानी हो रही है, बल्कि बीमारियों के फैलने का भी खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग व राहगीर रोजाना इस गंदगी के बीच से गुजरने को मजबूर हैं, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। नगर निगम की ओर से खासकर इस क्षेत्र की लगातार अनदेखी किए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से मांग की, कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तुरंत प्रभाव से कूड़े के ढेर उठवाए जाएं। क्षेत्र में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा जल्द कार्रवाई न होने पर प्रदर्शन करेंगे।

एजेंसी पर लग चुका जुर्माना

नगर निगम पहले भी सफाई व्यवस्था में लापरवाही को लेकर संबंधित एजेंसी पर कार्रवाई कर चुका है। 3 फरवरी को एजेंसी को नोटिस जारी कर करीब 4.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके बावजूद हालात में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो एजेंसी का अनुबंध रद्द किया जा सकता है।

लापरवाही सहन नहीं करेंगे कंपनी पर होगी कार्रवाई

शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए संबंधित कंपनी को सख्त हिदायत दी गई है। सफाई की अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर कहीं सफाई का अभाव है, लापरवाही बरती जा रही है, तो निगम की ओर से कड़ा रुख अपनाकर कर्मचारियों से जवाब तलब किया जाएगा।

-साहब सिंह, मुख्य सफाई निरीक्षक, नगर निगम, सोनीपत

थाने में डॉक्टर से मारपीट पांच ससुरालियों पर केस दर्ज

दहेज प्रकरण में समझौते के लिए पुलिस ने दो पक्षों को बुलाया था

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत के थाना शहर परिसर में दहेज विवाद को लेकर हुई समझौता वार्ता के दौरान मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना में दिल्ली के मुखमेलपुर निवासी डॉ. विवेक घायल हो गए थे, जिनके हाथ में फ्रैक्चर पाया गया। उनकी शिकायत पर अब करीब पांच माह बाद पुलिस ने महिला पक्ष के परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। डॉ. विवेक ने बताया कि उनकी शादी 15 फरवरी 2025 को देवनगर निवासी युवती के साथ हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद ही दोनों के बीच विवाद बढ़ गया, जिसके चलते पत्नी ने दहेज उत्पीड़न और मारपीट की शिकायत थाना शहर में दी थी। इसी मामले में 27 अक्तूबर 2025 को दोनों पक्षों को बातचीत के लिए थाने बुलाया गया था। आरोप है कि बातचीत के दौरान महिला पक्ष के लोग उग्र हो गए और उन्होंने डॉ. विवेक पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए उनके माता-पिता के साथ भी धक्का-मुक्की की गई, जिसमें उनकी माता सपना और पिता राजेंद्र को चोटें आईं।

- 27 अक्तूबर 2025 का मामला, पांच माह बाद केस दर्ज

मेडिकल रिपोर्ट में फ्रैक्चर की पुष्टि

घटना के बाद कराई गई मेडिकल जांच में डॉक्टर के हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। अब उन्होंने 11 मार्च को थाना शहर में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने 18 मार्च को दोनों पक्षों को थाना में बुलाया था, लेकिन महिला पक्ष के नहीं आने पर अब पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट और एक्स-रे के आधार पर चोटों की पुष्टि होने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

महिला ने पति पर लगाया मारपीट का आरोप

गोहाना। क्षेत्र की एक महिला से ससुराल में पति ने मारपीट करके घर से निकाल दिया और घरेलू सहायिका को लिव-इन में रख लिया। महिला ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी पानीपत के एक गांव के व्यक्ति के साथ हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। एक बेटे की पहले ही तालाब में डूबने से मौत हो चुकी है, जिससे वह मानसिक रूप से भी परेशान रही और उसने रोहतक पीजीआई में इलाज कराया। आरोप है कि इसी दौरान उसका पति घर में घरेलू सहायिका को काम करने के लिए लेकर आया और उसके साथ अवैध संबंध बना लिए। उसके पति ने 2024 में उस महिला के साथ लिव-इन का प्रमाण पत्र भी बनवा लिया इस मामले में उसने पहले भी महिला थाना में शिकायत दी थी लेकिन समझौते के बाद वह ससुराल लौट गई थी। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद भी पति का व्यवहार नहीं बदला और लगातार मारपीट करता रहा। अप्रैल 2025 में उसे घर से निकाल दिया गया।

- महिला के साथ लिव इन में रहने का आरोप

सिसाना का किसी नए जिले में शामिल होने से इनकार

खरखौदा। खरखौदा संघर्ष कमेटी ने केहर सिंह दहिया की अध्यक्षता में गांव सिसाना की सिंगरान चौपाल में पंचायत आयोजित की। जिसमें ग्राम वासियों ने किसी भी नए जिले में शामिल होने से इनकार किया और पूर्व सरपंच डॉ. धर्मवीर ने कहा कि सरकार किसी भी गांव से छेड़छाड़ करने की कोशिश न करें, जनसाधारण की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मा. राजेंद्र ने कहा पूरा गांव हर लड़ाई के लिए तैयार है और जब तक मुख्यमंत्री ये स्पष्टीकरण नहीं देते कि खरखौदा व आसपास के गांव किसी भी नए जिला का हिस्सा नहीं बनेंगे, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। पंचायत में सर्वसम्मति से ये भी मांग उठी कि किसानों की पूरी फसल बिना किसी शर्त के एक-एक दाना सरकार को खरीदना चाहिए। इस मौके पर विकेश दहिया, हंसराज राणा, शेर सिंह, प्रवेश, सुरेश, बिजेंद्र, राकेश, यशु, पृथी सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रेम वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति के प्रधान चुने गए

सोनीपत। सोनीपत के सेक्टर-15 कम्युनिटी सेंटर में 22 मार्च 2026 को वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति की आम सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ हुई। समिति के तीन वर्ष पूर्ण होने पर गवर्निंग बॉडी का चुनाव एडवोकेट सौरभ सचदेवा की देखरेख में सम्पन्न कराया गया। चुनाव में सर्वसम्मति से प्रेम रेलन को दूसरी बार प्रधान चुना गया। इसके अलावा रमेश अरोड़ा को उपप्रधान, टेक चंद त्रिवेदी को महासचिव, सतीश अरोड़ा को केशियर और ओम प्रकाश मुंजाल को सहसचिव नियुक्त किया गया। इसके पश्चात प्रेम रेलन ने उषा भंडारी को महिला प्रधान मनोनीत किया, जबकि सीताराम भारद्वाज व अशोक छाबड़ा को सरप्रस्त, के. एल. पासरीजा व सौरभ सचदेवा को कानूनी सलाहकार तथा रविंदर सेठ को सलाहकार बनाया गया। सभा को संबोधित करते हुए प्रेम रेलन ने सभी सदस्यों का आभार जताया और बताया कि समिति की मासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित होंगी।

विश्वकर्मा पार्क में पेड़ काटने पर विवाद, मामला थाने पहुंचा

सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र हुड्डा ने पर्यावरण प्रेमियों के साथ मिलकर पार्क में किया था पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

पर्यावरण संरक्षण के लिए जहां सरकार व प्रशासन की ओर से भरसक प्रयास कर लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं कालूपुर चुंगी के पास बने विश्वकर्मा पार्क में लगे पेड़-पौधों को अवैध तरीके काटने का आरोप सामने आया है। मामले में दो पक्ष आमने-सामने हो चुके हैं। साथ ही पेड़ काटने का मामला अब थाने तक जा पहुंचा है। शिकायतकर्ता ने शहर थाना पुलिस को अवैध रूप से पेड़ काटने की शिकायत देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने स्थिति को स्पष्ट करने के लिए दो पक्षों को मंगलवार को थाने में बुलाया है।

सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र हुड्डा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने पर्यावरण प्रेमियों के साथ मिलकर एक वर्ष पहले विश्वकर्मा पार्क में सैकड़ों पौधे लगाए थे। इनमें से कई पौधे कुछ वर्ष पहले भी लगाए गए थे। अब कई बेलगिरी, जामुन व नीम के पौधे अब पेड़ का रूप ले चुके है। हालांकि वह कई वर्ष से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए शहरभर में कई जगह पौधरोपण करते आ रहे हैं,। ऐसा ही एक मामला विश्वकर्मा पार्क में शनिवार को देखने को मिला। वह पार्क में पौधों के देखभाल के लिए पहुंचे, तो वहां करीब 4 पेड़ कटे हुए मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि पेड़ काटने का कार्य पार्क के कुछ देखभाल करने वाले लोगों ने किया है। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत शहर थाना पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने वीडियो व फोटो भी सौंपे।

सोनीपत। कालूपुर चुंगी के पास बने विश्वकर्मा पार्क में काटे गए पेड़।

दूसरा पक्ष बोला- अनुमति लेने के बाद ही काटा

शहर थाना पुलिस के जांच कर्मी जोगिंद्र ने बताया कि मामले में दूसरे पक्ष ने पार्क में बच्चों के लिए झूले, बुजुर्गों के लिए बेंच आदि लगाने के लिए पेड़ कटवाने की बात कहीं है। पेड़ों को अनुमति लेने के बाद ही काटा गया है। दोनों पक्षों में स्थिति को स्पष्ट करने के लिए उन्हें थाने में बुलाया गया है। कल किसी मामले में बाहर जाना है। मंगलवार को दोनों पक्षों की बैठक होगी।

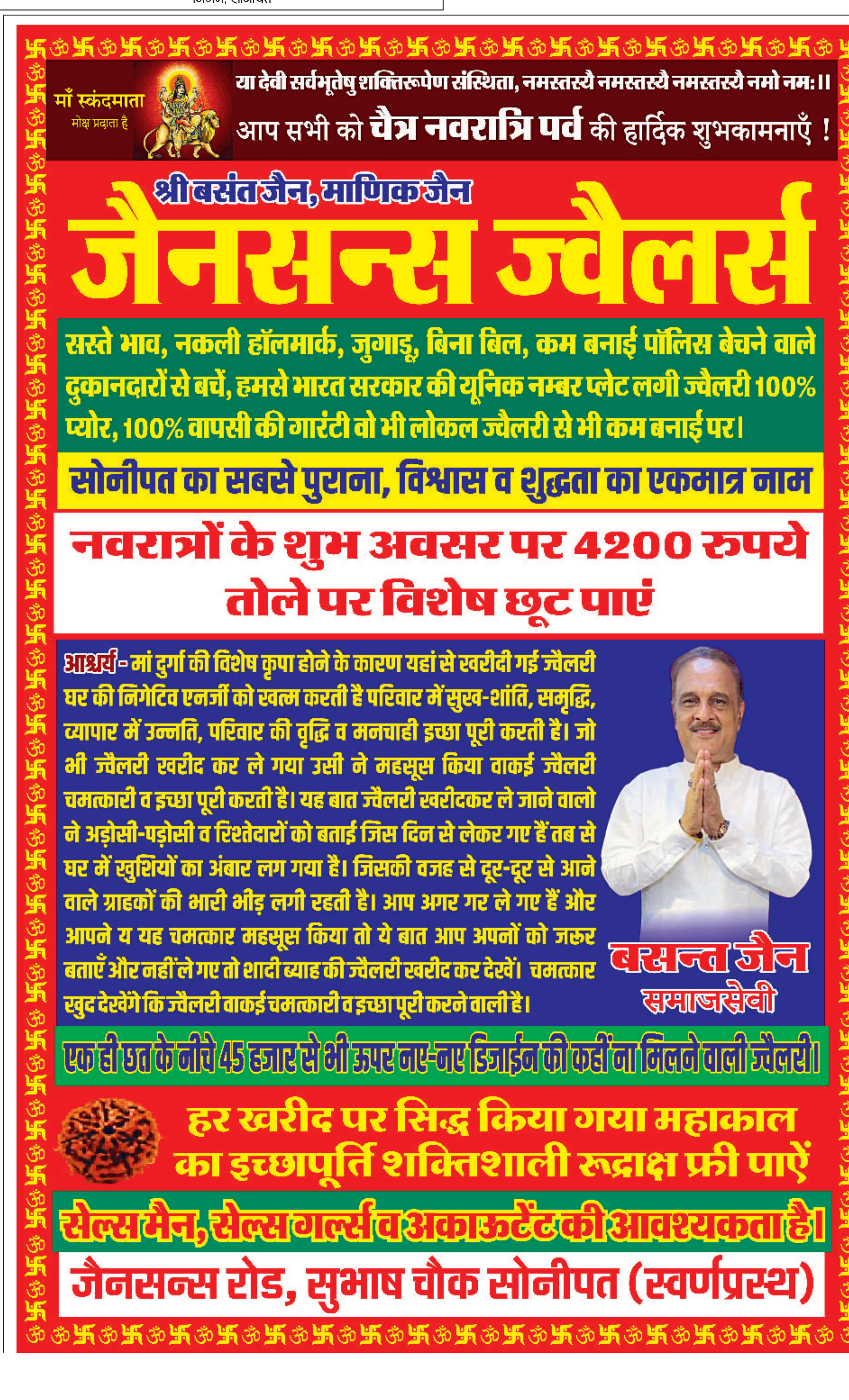

साहित्य

जुम्मन जब हज करने गए थे, तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

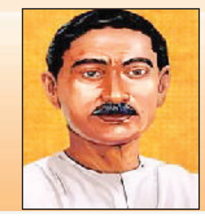

कहानी

डॉ. अंजना गर्ग

चार खुश औरतें

कमला बोलीं, "और मुझे लगता था कि विधवा होने के बाद जीवन बस इंतज़ार बन जाता है...पर अब लगता है कि हम कोशिश करें तो जीवन का दूसरा अध्याय शुरू कर सकते हैं।"

शाम ढल रही थी। सूरज की आख़िरी किरणें कॉलोनी के बड़े-बड़े मकानों की दीवारों पर फिसलती हुई मानो यह पूछ रही थीं कि इतने विशाल घरों में आखिर इतनी खामोशी क्यों है। इनमें से एक घर में संध्या रहती थी। कभी यही घर हंसी से भरा रहता था- पति, बच्चे, मेहमान, रिश्तेदार। मगर अब संध्या के लिए यह घर जैसे एक लंबा गलियारा बन गया था, जिसमें कदमों की आवाज़ भी उसे चौंका देती थी। पति से वर्षों पहले तलाक हो चुका था। बच्चे पढ़ाई के लिए बाहर गए और वहीं बस गए। दिनभर का समय काटना उसके लिए एक पहेली बन गया था। सुबह चाय बनाती, अख़बार पढ़ती, थोड़ा सा खाना बनाती और फिर खिड़की से सड़क को देखती रहती- जैसे किसी का इंतज़ार हो, जिसका आना तय ही न हो।

एक दिन वह पास के पार्क में टहलने गई। वहीं उसकी मुलाक़ात मीरा से हुई। मीरा की आंखों में एक स्थायी थकान थी, जैसे जीवन ने बहुत जल्दी उससे कुछ छीन लिया हो। बातचीत में पता चला कि मीरा की शादी को मुश्किल से पांच साल हुए थे, जब एक सड़क दुर्घटना में उसके पति की मृत्यु हो गई थी।

मीरा ने हंसने की कोशिश करते हुए कहा, "लोग कहते हैं समय सब ठीक कर देता है...पर कुछ खालीपन ऐसे होते हैं जिनमें समय भी कदम रखने से डरता है।"

संध्या ने महसूस किया कि दोनों के बीच एक अनकहा रिश्ता बन रहा है- अकेलेपन का रिश्ता।

धीरे-धीरे पार्क में रोज़ मिलने का सिलसिला शुरू हो गया। दोनों साथ टहलतीं, कभी चाय पीतीं, कभी यूं ही बातें करतीं। एक दिन पार्क की बेंच पर बैठी दोनों बातें कर रही थीं कि पास की पगडंडी से दो महिलाएं आती दिखीं- शकुंतला जी और कमला जी। दोनों की उम्र लगभग पैंसठ के आसपास रही होगी। सफ़ेद बाल, हल्की मुस्कान और आंखों में वह गहराई जो केवल लंबे अनुभव से आती है।

किसी परिचित ने उनका परिचय करवाया। पता चला कि दोनों कुछ साल पहले ही विधवा हुई थीं। बच्चों ने बहुत कहा कि उनके साथ चलकर रहें, मगर दोनों ने मना कर दिया।

"बेटे-बहू सुबह से रात तक ऑफिस में रहते हैं। बच्चे स्कूल और ट्यूशन में। वहां जाकर भी क्या करेंगे?"

कमला जी ने हंसते हुए कहा, "यहां कम से कम अपनी मर्जी से जी रहे हैं। अपना शहर है, कुछ लोग जानकार भी हैं। वहां तो बस बच्चों की मां और सास बन कर रह जाते हैं। यहां कम से कम लोग हमें हमारे नाम से तो जानते हैं।"

उस दिन के बाद पार्क में चार औरतों की छोटी सी टोली बन गई। समय के साथ चारों की दोस्ती गहरी होती गई। हर शाम वे एक ही बेंच पर बैठतीं और जीवन की परतें धीरे-धीरे खुलती जातीं। संध्या ने एक दिन कहा, "इतना बड़ा घर है मेरा...लेकिन कई बार लगता है कि मैं किसी संग्रहालय में

संध्या कभी-कभी सोचती- "घर तो वही है, पर अब यह सचमुच घर लगने लगा है।" अब हर दिन कोई न कोई छोटा उत्सव होता। कभी चारों मिलकर पकौड़े बनातीं। कभी पुरानी फ़िल्में देखतीं। कभी छत पर बैठकर चांद देखते हुए पुरानी बातें करतीं। मीरा ने एक दिन गिटार निकाल लिया जो वर्षों से अलमारी में पड़ा था।

रहती हूं।"

मीरा ने सिर हिलाया, "मेरे घर में तो आवाज़ भी गूंजती है। कभी-कभी टीवी सिर्फ इसलिए चलाती हूं कि सन्नाटा टूटे।"

शकुंतला जी बोलीं, "बच्चे कहते हैं हमारे पास आ जाओ... लेकिन उनके जीवन में जगह कहां है?"

कमला जी ने हल्की मुस्कान के साथ कहा, "हम सबके पास घर तो बहुत बड़े हैं...पर जीवन में कुछ बचा नहीं है।"

चारों हंसीं, मगर उस हंसी में एक गहरा दर्द छिपा था।

मीरा अचानक बोली, "एक बात कहूँ...आप लोग हंसना मत।"

संध्या ने उत्सुकता से पूछा, "क्या बात है?"

मीरा ने थोड़ा झिझकते हुए कहा, "हम चारों इतने बड़े-बड़े घरों में अकेली रहती हैं...क्यों न हम सब एक ही घर में एक साथ रहें?"

तीनों एक पल के लिए चुप रह गईं।

कमला जी ने भौंह उठाई, "मतलब...हम चारों एक घर में एक साथ?"

मीरा ने कहा, "हाँ...सोचिए। चार घरों का खर्चा, चार नौकर, चार किचन... और चारों में अकेलापन। अगर हम एक घर में रहें तो?"

शकुंतला जी की आंखों में चमक आ गई। "और बाकी घर किराये पर दे दें!"

संध्या अचानक हंस पड़ी। "और जब बच्चे आएं तो होटल में ठहर जाएं... किराये के पैसे से आराम से हो जाएगा!"

चारों ज़ोर से हंस पड़ीं। पर धीरे-धीरे यह मज़ाक एक गंभीर विचार में बदल गया। कुछ हफ्तों की चर्चा के बाद उन्होंने फैसला कर लिया। संध्या का घर सबसे बड़ा था और पार्क के भी सबसे करीब। इसलिए तय हुआ कि वही उनका नया घर बनेगा। बाकी तीनों ने अपने-अपने घर किराये पर दे दिए। एक कुक रख लिया गया, जो सुबह-शाम खाना बना देता। एक कामवाली आकर सफ़ाई कर जाती। अब घर में चार कमरे नहीं, चार संसार थे।

पहले संध्या की सुबहें बहुत चुप होती थीं। अब सुबह होते ही किचन से आवाज़ आती- "कमला जी, चाय में चीनी कम रखूं?"

"अरे नहीं, आज थोड़ी ज़्यादा...आज मेरा मूड अच्छा है!"

मीरा योगा मैट लेकर आंगन में बैठ जाती।

शकुंतला जी तुलसी के पास दीया जलातीं।

संध्या कभी-कभी सोचती- "घर तो वही है, पर अब यह सचमुच घर लगने लगा है।" अब हर दिन कोई न कोई छोटा उत्सव होता। कभी चारों मिलकर पकौड़े बनातीं। कभी पुरानी फ़िल्में देखतीं। कभी छत पर बैठकर चांद देखते हुए पुरानी बातें करतीं। मीरा ने एक दिन गिटार निकाल लिया जो वर्षों से अलमारी में पड़ा था।

कमला जी ने कहा, "अरे वाह! अब तो हमारे घर में संगीत भी होगा।" शकुंतला जी ने हंसते हुए कहा, "और मैं श्रोता बनूंगी!" कुछ हफ्तों बाद जब बच्चों को पता चला कि उनकी मांएं एक साथ रहने लगी हैं तो वे थोड़ा हैरान हुए।

संध्या की बेटी ने फोन पर कहा, "मां, आपको अजीब नहीं लग रहा अनजान औरतों के साथ?"

संध्या मुस्कुराई, "अनजान? अब तो हम इतना धमाल करते हैं कि लगता है जैसे बरसों से जानते हैं। इतना शोर रहता है कि कभी-कभी शांति ढूंढनी पड़ती है।"

मीरा के बेटे ने पूछा, "मां, जब हम आएंगे तो कहां रुकेंगे?"

मीरा ने हंसते हुए कहा, "पास के होटल में। वैसे भी तुम लोग दो-तीन दिन ही रहते हो।"

फोन के उस पार कुछ पल चुप्पी रही...फिर दोनों हंस पड़े।

धीरे-धीरे उनकी यह व्यवस्था पूरे मोहल्ले में चर्चा का विषय बन गई। लोग कहते, "देखो, इन चारों ने अकेलेपन का कितना सुंदर हल ढूंढ लिया।"

कभी-कभी पड़ोस की महिलाएं भी चाय पीने आ जातीं। एक दिन पार्क में बैठी संध्या ने कहा, "पता है...पहले मैं हर दिन बच्चों का इंतज़ार करती थी और उनकी छुट्टियों को कैलेंडर पर निशान लगा कर दिन गिनती रहती थी। अब समय ही नहीं मिलता इंतज़ार करने का।"

कमला जी बोलीं, "और मुझे लगता था कि विधवा होने के बाद जीवन बस इंतज़ार बन जाता है...पर अब लगता है कि हम कोशिश करें तो जीवन का दूसरा अध्याय शुरू कर सकते हैं।"

मीरा ने आसमान की ओर देखते हुए कहा, "शायद जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा वही होता है जो हम खुद लिखते हैं।"

एक शाम चारों छत पर बैठी थीं। हवा हल्की ठंडी थी। दूर कहीं मंदिर की घंटियां बज रही थीं।

संध्या ने चारों की तरफ देखा और धीरे से कहा, "हम चारों पहले अलग-अलग घरों में चार उदास औरतें थीं...अब एक घर में चार खुश औरतें हैं।"

शकुंतला जी ने मुस्कुराकर कहा, "क्योंकि अब यह घर चार दीवारों का नहीं...चार दिलों का है।"

कमला जी ने चाय का कप उठाया, "और यह हमारी दोस्ती के नाम।"

मीरा ने हंसते हुए कहा, "और हमारी आज़ादी के नाम।"

चारों के कप आपस में टकराए। नीचे सड़क पर वही पुरानी खामोशी थी, वही बड़े-बड़े मकान थे। लेकिन इस घर की छत पर अब अकेलापन नहीं रहता था। क्योंकि यहां चार औरतों ने मिलकर यह साबित कर दिया था कि साथ सिर्फ रिश्तों से नहीं, अच्छे निर्णयों से भी बनाया जा सकता है।

पुस्तक समीक्षा

दर्शन, मनोविज्ञान और अन्तर्बोध की लघुकथाएं

समीक्षक

बलराम अग्रवाल

'नीलकंठ' सुपरिचित साहित्यकार आशा खत्री 'लता' की 81 लघुकथाओं का संग्रह है। पुस्तक के प्रारम्भ में भूमिकास्वरूप लिखित 'मन की बात' के अन्तर्गत 'बालमन की कामना-सी सुन्दर दुनिया की कामना' में उन्होंने कुछ उल्लेखनीय बातें कही हैं। यथा-'जब विसंगतियों का विष हृदय में हलचल मचाता है, जीने नहीं देता; तो कलम के सिपाही शब्दों से उस सौभाग्य की रचना करने का प्रयास करते हैं जो इस विष को अमृत में बदल सके, इससे छुटकारा दिला सके।' 'आज का दौर भूख, अभावों का दौर नहीं है; बल्कि आज का दौर आर्थिक असामनता, चारित्रिक स्खलन, सांस्कृतिक ह्रास का युग है।'; 'सामाजिक स्तर पद और पैसे से आंका जाने लगा है।' यूं तो इसमें बहुरंगी कथानक हैं तथापि अधिकतर कथानक 'बेटी' से जुड़े हैं जो कथानुरूप कभी सुख की तो कभी अफसोस की अनुभूति कराते हैं।

आशा खत्री 'लता'

लेखिका

लघुकथा 'सच्चा झूठ' की बंटी (महरी) प्रधानमंत्री द्वारा नोटबंदी की घोषणा से अति प्रसन्न है। इसलिए नहीं कि इससे उसे कोई नया रोजगार मिलने वाला था; बल्कि इसलिए कि नोटबंदी की घोषणा से उसके श्रम का शोषण करने वाले धनिकों के सीने पर सांप लोटने वाला था, उनका आर्थिक नुकसान होने वाला था। ससुराल में हुई बेटी की हत्या का 'मुजरिम' उसकी बूढ़ी माँ अपने बेटे को भी ठहराती है क्योंकि पढ़ा-लिखा होने के बावजूद उसने अपनी बहन को नैतिक सहारा नहीं दिया।पूजा की भेड़चाल पर तीखी टिप्पणी है, 'भक्ति'। 'पोती का जन्मदिन', 'चोरी पकड़ी गई', 'प्रेम का दर्द' और 'प्रेम' को हिन्दी की श्रेष्ठ लघुकथाओं में गिना जा सकता है। जज को नीर-क्षीर विवेक वाले कैसे चरित्र का व्यक्ति होना चाहिए—इस सत्य की प्रतीति लघुकथा 'मान' में देखने को मिलती है। 'दरिंदगी से तो बच गयी' दिल को दहला देने वाला कथानक प्रस्तुत करती है।

'वह जरूर याद आती है' जैसे जिज्ञासापरक और 'कल की दुनिया कैसी होगी' जैसे सीधे प्रश्नपरक शीर्षक भी पुस्तक में हैं। लेखिका को इन जैसी लघुकथाओं के शीर्षक में किंचित कलात्मकता का संचार करने के बारे में भी सोचना चाहिए था। पुस्तक में 'राजा का कर्तव्य' सरीखी दृष्टांत अथवा उपदेश शैली की भी अनेक लघुकथाएं हैं। पुस्तक में जो बात सबसे अधिक अखरती है, वह है व्याकरण चिह्नों की अनदेखी और प्रूफ की गलतियां।

कवि कॉर्नर

कविता | डा. तबस्सुम जहां

मुट्ठी भर आकाश

मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए,
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

तिनके भर उम्मीदें बची थीं
नन्हे दिल के घोंसले में,
और अपने पंख कतर दिए
तुम्हारी उड़ानों के लिए।
मुट्ठी भर...
तुम्हें देने के लिए,
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

देखो, दूर क्षितिज जो
झिलमिला रहा है।
उन हसीं पलों की हमें
याद दिला रहा है
फ़रि सर्द बयार चली
हमें मिलाने के लिए।
मुट्ठी भर...

लकीरों-सा हथेली पर
नर्म मख़मली स्वप्न सेज पर
कभी लाई थी एक इंद्रधनुष
तुम्हारे बिछावन के लिए।
और...
मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

जो सहा वे नहीं था
मेरे सहने के लिए
तुम्हारा होना काफ़ी था
मेरे जीने के लिए
मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

कविता | भूमिका

एक लड़की का सपना

कोई कितने बड़े भी सपने क्यों न हों,
मेरे पूरे हों ये हर कोई सोचता है,
शायद लड़कियों के सपने नहीं होते हैं,
मगर मैं बताती हूं मेरा एक छोटा सा सपना है,
कि मैं इंजीनियर बनूं और जग में नाम
रोशन करूं,
इसको पूरा करने के लिए पूरा जी जान
लगाऊँ,
और सपने पूरा करके सबको मैं दिखलाऊँ,
फिर लड़कियों के लिए मैं एक मिसाल
बन जाऊं।।

मनोरंजक

चुगली चर्चा महिलाओं का मुख्य शौक है तो गप्पबाजी में पुरुषों का वर्चस्व रहता है

आयोजन एक गप्प प्रतियोगिता का

व्यंग्य | बलदेव राज भारतीय

गप्पबाजी अपने आप में एक संपूर्ण कला है। यह चुगली चर्चा की तरह लोकप्रिय है। चुगली चर्चा महिलाओं का मुख्य शौक है तो गप्पबाजी में पुरुषों का वर्चस्व रहता है। यद्यपि कई महिलाएं भी गप्पबाजी में पुरुषों को टक्कर देती हुई देखी जा सकती हैं परंतु यह वास्तव में पुरुषों का महत्वपूर्ण शौक है। कुछ लोग इस कला में बहुत ही माहिर होते हैं। हमारे मोहल्ले के पप्पू को तो जानते ही हैं आप। अरे ! वही पप्पू जो पिछले कई साल से एक ही कक्षा में फेल होता रहा और पिछली बार कोरोना के कारण बेचारा आखिर पास हो ही गया। उसका एक छोटा भाई है नाम है गप्पू। गप्प हांकने की कला में इतना माहिर है कि सब लोग उसके आगे-पीछे घूमते रहते हैं, गप्प सुनने के लिए नहीं बल्कि उसकी बातों से रस लेने के लिए। रस लेने पर सरकार ने टैक्स थोड़े ही लगाया है, आप भी लीजिए। एक दिन सुबह सुबह मुझसे टकरा गया। मैंने बचने की लाख कोशिश भी की। मगर दुर्भाग्य से बच ना सका। कहने लगा, ' मास्टर जी! गप्पबाजी एक मनोरंजक और ऊर्जा स्फूर्ति देने वाला काम है। आप तो देश भर के अखबारों में लिखते रहते हो। क्यों न गप्पबाजी के विषय में कुछ लिखो?' मैंने कहा, 'गप्पबाजी के विषय में क्या लिखा जा सकता है गप्पू?'

'कमाल है मास्टर जी! लेखक आप बने फिरते हो। पूछ मुझसे रहे हो कि क्या लिखूं? फिर भी बता दूं कि यदि देश में

गप्पबाजी का जो टैलेंट हमारे देश के नेताओं में है, वह दुनिया के किसी और देश के नेताओं में नहीं मिल सकता। हां, पाकिस्तान के नेता जरूर टक्कर दे सकते हैं।

गप्पबाजी का मुकाबला करवाया जाए तो एक दो मेडल तो आपका यह गप्पू भी जीत लेगा।' कहते हुए गप्पू के चेहरे की चमक बढ़ गई। 'इतना विश्वास है तुम्हें अपने ऊपर!' मैंने पूछा- 'हां, लोग कहते हैं कि गप्पबाजी में पूरे देश में मेरा मुकाबला कोई नहीं कर सकता।' 'गप्पू! तुम लोगों की बातों में आ रहे हो। लोग तुम्हें मसरी के पेड़ पर चढ़ा रहे हैं और तुम चढ़े जा रहे हो। तुम्हें हकीकत पता भी है कि अगर मुकाबला हो गया तो तुम अपना नाम ढूंढते रह जाओगे। गोल्ड मेडल तो क्या, पहले एक लाख लोगों में भी तुम्हें अपना नाम ढूंढें नहीं मिलेगा। मसरी के पेड़ से ऐसे गिरोगे बच्चे कि कोई हड्डी भी साबुत नहीं बचेगी।' 'क्या बात करते हो मास्टर जी! वो क्या कहते हैं आप मुझे अंडर एस्टीमेट कर रहे हो या फिर आप जलते हो मुझसे! कि कहीं मैं आप से ज्यादा लोकप्रिय न हो जाऊं। इस दुनिया में आप अकेले नहीं हो लिखने वाले। आप से भी बड़े बड़े सूरमाओं से मेरा परिचय है। मुझे घर बुलाकर चाय भी पिलाएंगे और मेरे गप्पबाजी के आयोजन की बात को देश के सभी अखबारों में भी लगवाएंगे। अच्छा तो जय राम जी की, हम चलते हैं उनके पास!'

'अरे यार! तुम भी कमाल हो। मैं तुम्हें अंडर एस्टीमेट नहीं कर रहा हूं। पर क्या तुम इस देश के छोटे से छोटे नेता और उनके चमचों को गप्पबाजी में हरा पाओगे? शायद नहीं। गप्पू नाम होने से कुछ नहीं होता। गप्पबाजी का जो टैलेंट हमारे देश के नेताओं में है, वह दुनिया के किसी और देश के नेताओं में नहीं मिल सकता। हां, पाकिस्तान के नेता जरूर टक्कर दे सकते हैं।... और उनसे हम कभी हारना पसंद नहीं करते। उनसे तो हमारे देश के नेताओं के चमचे भी मुकाबला करें तो हम उन्हें भी न हारने दें। आखिर बाप-बाप होता है और बेटा बेटा।'

'मास्टर जी! आप ही तो कहते हैं कि जब मन में कुछ करने की इच्छा हो तो उसे कर लेना चाहिए। हार-जीत तो जीवन का हिस्सा होती है। बस आप मुकाबले के लिए एक विज्ञापन सारे देश के अखबारों में छपवा ही दीजिए।' 'अरे बुद्धू! विज्ञापन के लिए इतना पैसा कहां से लाओगे? तुम ओखली में सिर देना ही चाहते हो तो मुझे क्या? पर अपनी जेब का तो ख्याल कर लो। मैं एक लेख के माध्यम से सारे देश के गप्पबाजों को न्योता दे दूंगा। बस तुम गप्पबाजी की प्रतियोगिता के लिए स्थान और समय निश्चित कर मुझे बता दो।' 'मास्टर जी, निश्चित क्या करना? आप अपने स्कूल का पता दे दीजिए।'

'वाह गप्पू वाह! प्रतियोगिता करवाओ तुम और अखाड़ा बनाओ मेरे स्कूल को। मैं इसमें तुम्हारे घर का पता दे रहा हूं! तुम्हें भी पता चले कि किसी प्रतियोगिता का आयोजन करना कितना मुश्किल होता है? तुम्हें पता तो चले बड़ी-बड़ी गप्प हांकने का।'

'मास्टर जी, आप रहने दीजिए। मुझे नहीं करवानी कोई प्रतियोगिता! आप सही कहते हो, मैं कभी नहीं जीत सकता इस देश में नेताओं के होते हुए।' 'नहीं गप्पू! अब तुम अपने आप को अंडर एस्टीमेट न करो। क्या होगा जो कुछ लोगों के चाय-पानी का प्रबंध तुम्हें करना भी पड़ गया! यह सोचो कि तुम्हारा नाम देश-विदेश में कितना ऊंचा हो जायेगा।' तो मेरे इस लेख के सुधि पाठको! अगर आपके आसपड़ोस में भी कोई गप्प हांकने वाला इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहता है तो वह हमारे मोहल्ले के गप्पू से संपर्क करे। पता अमिताभ बच्चन जी से पूछ लेना। जो पप्पू का पता, वही गप्पू का पता।

मोटिवेशनल

डिजिटल दुनिया में भटकने से बचें

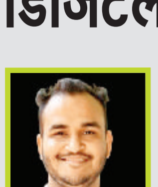

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा अवसरों से भरे दौर में जी रहा है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने सीखने और आगे बढ़ने के अनगिनत रास्ते खोले हैं, लेकिन यही साधन ध्यान भटकाने का बड़ा कारण भी बन रहे हैं। नोटिफिकेशन, रील्स और लाइक्स की दौड़ में कई युवा घंटों बिताकर भी खालीपन महसूस करते हैं। इसलिए जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में रहते हुए भी फोकस बनाए रखा जाए। असल समस्या तकनीक नहीं, बल्कि उसका उपयोग है। वही मोबाइल हमें नई स्किल सिखा सकता है, ऑनलाइन कोर्स करा सकता है और करियर बनाने में मदद कर सकता है। फर्क सिर्फ इतना है कि हम उसे नियंत्रित करते हैं या वह हमें। आज "डिजिटल अनुशासन" अपनाना बेहद जरूरी है। जैसे पढ़ाई और फिटनेस के लिए समय तय करते हैं, वैसे ही डिजिटल उपयोग का समय भी सीमित होना चाहिए। ध्यान भटकने का कारण भी समझना जरूरी है। युवा मन स्वभाव से जिज्ञासु होता है और हर नई चीज आकर्षित करती है। सोशल मीडिया इसी मनोविज्ञान पर काम करता है, जिससे हम ज्यादा समय वहीं बिताएं। ऐसे में खुद से सवाल करें कि क्या हम समय निवेश कर रहे हैं या सिर्फ खर्च? इससे बचने के लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले, हर बार मोबाइल इस्तेमाल करने से पहले अपना उद्देश्य तय करें। रोज कम से कम 30 मिनट बिना किसी डिजिटल व्यवधान के पढ़ाई या नई स्किल सीखने में लगाएं। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करें, ताकि ध्यान बार-बार न भटके। सप्ताह में कुछ समय डिजिटल डिटॉक्स के लिए निकालें और उसे परिवार या खुद के विकास में लगाएं। साथ ही, दूसरों से तुलना करने से बचें और अपनी प्रगति पर ध्यान दें। सकारात्मक सोच भी बेहद जरूरी है। नकारात्मक कंटेंट से दूरी बनाकर प्रेरणादायक चीजों को अपनाएं। याद रखें, मन की शांति से ही ध्यान बढ़ता है, और शांति अनुशासन से आती है। डिजिटल युग में वही सफल होगा जो तकनीक का सही उपयोग करना जानता है। इसलिए तकनीक का उपयोग करें, उसका शिकार न बनें। युवा शक्ति किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यदि यह शक्ति ध्यान और ऊर्जा को सही दिशा दे, तो असंभव भी संभव हो सकता है। मोबाइल को अपने सपनों के बीच मत आने दें। उसे अपने सपनों तक पहुंचने का माध्यम बनाइए। क्योंकि अंततः जीत उसी की होती है, जो स्वयं पर नियंत्रण रखता है।

लघु कथा

सुख

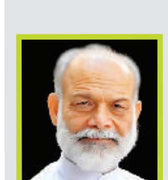

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्यकार एवं पूर्व शिक्षक

श्रद्धा ने नाराजगी से कहा, "हां, बोलो, क्यों बुलाया मुझे यहां ?"

परेश ने धीमे स्वर में जवाब दिया, "बस... तुम्हें देखने का मन था, इसलिए बुला लिया।"

श्रद्धा का चेहरा कठोर हो गया- "अपने मन को काबू में रखो। अब हमारे बीच कुछ नहीं रहा। मैंने पहले ही बता दिया था कि मेरी शादी तय हो चुकी है। आगे से मुझे फोन करने की भी जरूरत नहीं है।"

परेश ने विनम्रता से कहा, "यहां सड़क पर खड़े होकर बात करना ठीक नहीं। चलो, सामने कैफे में या पार्क में बैठते हैं। हमने इतने साल साथ बिताए हैं, क्या सब कुछ ऐसे ही खत्म कर दोगी?" उसकी आंखों में नमी झलक रही थी।

श्रद्धा ने ठंडी आवाज में कहा, "मेरे पिता ने मेरा रिश्ता तय कर दिया है। दस दिन बाद मेरी शादी है और मैं पोलैंड चली जाऊंगी। जो कुछ हमारे बीच था, अब वह खत्म हो चुका है। शायद वह प्यार नहीं, बस एक भूल या जवानी का जोश था। जिंदगी बसाने के लिए समझदारी जरूरी होती है।"

परेश का दिल टूट गया। उसने कांपती आवाज में पूछा, "और जो तुम्हारे पेट में पल रहा है . मेरा बच्चा... उसका क्या होगा?"

श्रद्धा ने बेरुखी से कहा, "अभी सिर्फ दो महीने हुए हैं। वहां जाकर मैं उसे गिरा दूंगी। यह मेरी अपनी समस्या है, तुम इसमें मत पड़ो।"

परेश की आवाज भर्रा गई, "तुमने तो मेरे साथ जीवन बिताने की कसमें खाई थीं।"

श्रद्धा ने कड़वे स्वर में कहा, "हां, खाई थीं। लेकिन बाद में समझ आया कि तुम मुझे वह सुख-सुविधाएं नहीं दे सकते जो मेरा होने वाला पति देगा। उसके पास पैसा है, अच्छा करियर है। मैं अपने भविष्य के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।"

परेश ने आखिरी बार कहा, "मैं अमीर नहीं हूं, लेकिन हमारा प्यार सच्चा था... उसकी कोई कीमत नहीं?"

श्रद्धा ने गुस्से में कहा, "अगर तुम्हें उसी में जीना है, तो जीते रहो। मुझे अपनी जिंदगी आराम से जीनी है। बिना पैसे के वह संभव नहीं। बेहतर है तुम अपने रास्ते चलो और मैं अपने।" इतना कहकर वह मुड़ी और तेज कदमों से चली गई। परेश वहीं खड़ा रह गया, टूटे हुए सपनों और बिखरे विश्वास के साथ, उसे दूर जाते हुए देखता रहा।

कुछ हटकर

बी फार्मेसी : हेल्थ सेक्टर में बनाएं मजबूत भविष्य

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी. फार्मेसी) चार वर्षीय स्नातक कोर्स है, जो छात्रों को फार्मासिस्ट बनने के लिए तैयार करता है। इसमें दवाओं के निर्माण, विश्लेषण, वितरण और रोगी परामर्श की जानकारी दी जाती है। 12वीं में पीसीबी /पीसीएम के साथ 45-50% अंक वाले छात्र इसके पात्र होते हैं। कोर्स में फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री और हेल्थकेयर मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल हैं। यह डिग्री छात्रों में रिसर्च क्षमता, नैतिकता और वैज्ञानिक सोच विकसित करती है। साथ ही, क्लिनिकल फार्मेसी, ड्रग रिसर्च और क्वालिटी कंट्रोल जैसे क्षेत्रों में करियर के अवसर प्रदान करती है।

उच्च शिक्षा के मौके

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक यदि अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाना चाहें तो उनके लिए कई विकल्प खुले हैं। उच्च शिक्षा से न केवल औषधि और हेल्थकेयर ज्ञान बढ़ता है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर के अवसर व्यापक हो जाते हैं।

उच्च शिक्षा कार्यक्रम

- मास्टर ऑफ फार्मेसी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, रेगुलेटरी अफेयर्स या फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट
- पीएच डी फार्मास्यूटिकल साइंस/बायोटेक
- क्लीनिकल रिसर्च सर्टिफिकेशन
- रेगुलेटरी अफेयर्स सर्टिफिकेशन
- क्वालिटी असुरेन्स / गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज सर्टिफिकेशन
- मेडिकल राइटिंग सर्टिफिकेशन
- हेल्थकेयर आईटी सर्टिफिकेशन

आवश्यक कौशल

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। औषधि और हेल्थकेयर उद्योग में सफलता के लिए विद्यार्थियों में शिलेषणात्मक सोच, अनुसंधान क्षमता, समस्या समाधान, टीमवर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसी विशेष क्षमताएं होना आवश्यक है।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में फार्मास्यूटिकल कंपनियों, हॉस्पिटल्स, रिसर्च लैब्स और कंसल्टिंग फर्मों में अवसर उपलब्ध हैं। आज के स्वास्थ्य और औषधि उद्योग में योग्य फार्मासिस्ट और रिसर्च प्रोफेशनल्स की मांग है। छात्र यहां ड्रग डेवलपमेंट, क्वालिटी कंट्रोल, क्लिनिकल फार्मेसी, रेगुलेटरी अफेयर्स, सेल्स, मार्केटिंग, शिक्षा और आईटी हेल्थकेयर में करियर बना सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों की निजी क्षेत्र में प्रारंभिक आय लगभग 3 से 5 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह आय 10 से 20 लाख वार्षिक तक पहुंच सकती है।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए फार्मास्यूटिकल, हेल्थकेयर और अनुसंधान विभागों में सम्मानजनक अवसर उपलब्ध हैं। यहाँ वे विभिन्न सरकारी हॉस्पिटल्स, अनुसंधान संस्थान और मेडिकल कॉलेजों में काम कर सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक की प्रारंभिक आय 4 से 6 लाख वार्षिक होती है, जबकि उच्च पदों और अनुभव के साथ यह आय 12 से 15 लाख वार्षिक तक हो सकती है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

साप्ताहिक अभियान में लगाए 32 पौधे

गोहाना। गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने का बीड़ा उठाए समाज कल्याण संगठन ने रविवार को अपने साप्ताहिक अभियान में आंवला, पापड़ी और जंगली जलेबी के 32 पौधे रोपे। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। समाज कल्याण संगठन ने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद ले रखा है और इस क्रम में अपने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान के तहत सप्ताह के प्रत्येक रविवार को सार्वजनिक स्थलों पर और सडक़ों के किनारे फुटपाथ की खाली जगह में पौधे रोपे जाते हैं। इस अभियान के तहत संगठन द्वारा रविवार को महम मार्ग के साथ फुटपाथ की खाली जगह और विश्वकर्मा चौक के समीप पौधारोपण किया। संगठन के सदस्यों ने पुराने पौधों की भी देखभाल की।

पं. दीनदयाल महाअभियान हवन के साथ हुआ संपन्न

गोहाना। भाजपा संगठन के जिला गोहाना के आठ मंडलों में कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान रविवार को संपन्न हो गया। राष्ट्रगीत वंदेमातरम, वर्ग गीत, हवन और योग के साथ शिविर संपन्न हुए। प्रशिक्षण महाअभियान के शिविरों की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की। इनके संयोजक बरोदा हलका से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रदीप सांगवान रहे।
बिजेंद्र मलिक ने कार्यकर्ताओं को राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करने पर बल दिया।

विद्यार्थियों ने दी सामूहिक गीत की प्रस्तुति

राई। कक्षा यूकेजी के विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएशन डे एवं पहली कक्षा से दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एनुअल डे का आयोजन स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में जहां एक ओर यूकेजी के छात्र- छात्राओं को प्रमाण- पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने शानदार समूह गीत एवं मनमोहक नृत्य पेश कर सभागार में मौजूद लोगों को झूमने पर मज़बूर कर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. अंकुर डेंबला व डॉ. रितिका डेंबला एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सिद्धार्थ हिम्मतरामका एवं अंकिता हिम्मतरामका उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के मन में शिक्षा की लौ जलाएंगे गुरुजी

गांव मोई माजरी में 3.77 करोड़ से राजकीय उच्च विद्यालय का नया भवन बनकर तैयार

खास बातें

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 29 मार्च को गोहाना में समारोह के दौरान करेंगे राजकीय विद्यालय के नए भवन का उद्घाटन
- गांव मोई माजरी में शिक्षा विभाग की ओर से कराया गया है नए भवन का निर्माण, बच्चों को मिलेंगी अनेक सुविधाएं
- नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 में गांव के विद्यालय के नए भवन में लगेंगी कक्षाएं, अब निजी स्कूलों की तर्ज पर नजर आने लगे राजकीय स्कूल

सोनीपत। गांव मोई माजरी में राजकीय उच्च विद्यालय का बनाया गया नया भवन।

रविंद्र ठाकुर ▶▶| सोनीपत

जिले के ब्लॉक गन्नौर-गोहाना के अंतर्गत आने वाले गांव मोई माजरी में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यार्थियों को राजकीय उच्च विद्यालय के नए भवन की सौगात मिलेगी। मोई माजरी में विद्यालय के नए भवन का निर्माण पूरा करने का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। विद्यालय का नया भवन विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों के लिए सभी सुविधाओं से परिपूर्ण होगा। जिसके निर्माण कार्य पर कुल 3 करोड़, 77 लाख, 44 हजार रुपये की राशि खर्च की जा रही है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मानें तो गोहाना में 29 मार्च को होने वाले समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं इस विद्यालय के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। निजी स्कूल की तर्ज पर बनाए जा रहे इस विद्यालय में सभी सुविधाएं मिलने से शिक्षक विद्यार्थियों के मन में शिक्षा की लौ जा सकेंगे।

शिक्षा विभाग की ओर से पिछले शैक्षणिक सत्र के दौरान मोई माजरी में विद्यालय का नया भवन बनाने के लिए मुख्यालय से बजट की मांग की गई थी। बजट को मंजूरी मिलते ही अधिकारियों ने विद्यार्थियों को निजी स्कूल की भांति सुविधा मुहैया करवाने व शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से मोई माजरी में नए भवन का निर्माण करवाया है। आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण बनाए जा रहे इस विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए शिक्षा से लेकर हर सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। अब विद्यालय में हर विषय के अलग-अलग शिक्षकों के साथ लड़कों व लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय, प्राचार्य व स्टाफ सदस्यों के लिए कक्ष, विद्यार्थियों का ड्रैस कोड, आईकार्ड, अनुशासन, पुस्तकालय, कंप्यूटर, एक्टिविटी कक्ष, रैंप सुविधा, हरा-भरा वातावरण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जैसी सभी व्यवस्थाएं होगी। विद्यार्थियों को इन सुविधाओं के मिलने से शिक्षा के स्तर में भी सुधार लाया जा सकेगा।

विभाग जिले में 709 स्कूलों का कर रहा संचालन

जिला शिक्षा विभाग की ओर से जिले में कुल 709 राजकीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इनमें 420 राजकीय प्राथमिक विद्यालय, 77 राजकीय उच्च, 75 राजकीय माध्यमिक, 135 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक, एक केंद्रीय विद्यालय व एक नवोदय विद्यालय शामिल हैं। इनमें से 11 को पीएमश्री राजकीय विद्यालय व 09 को राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय का दर्जा दिया गया है। इन राजकीय विद्यालयों में हजारों बच्चे शिक्षा ग्रहण कर अपने जीवन में सुधार ला रहे हैं। केवल सोनीपत खंड की बात करें, तो कुल 11 राजकीय उच्च विद्यालय व 24 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अब मोई माजरी में विद्यालय के नए भवन का निर्माण होने से जहां शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा, वहीं गुरुजी व विद्यार्थियों को सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

जरूरत के अनुसार बढ़ाई जा रही व्यवस्थाएं

जिला शिक्षा विभाग ने शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए लक्ष्य को साधने के लिए अभी से सपने संजोना शुरू कर दिया है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के सपनों को भी पंख लगाए जा सकें। नए शैक्षणिक सत्र में निजी स्कूलों की तर्ज पर बनाए जाने वाले कुछ विद्यालयों में कक्षाओं के साथ प्रत्येक विषय विषय अनुसार अलग-अलग शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए ड्रैस कोड के साथ आईकार्ड की सुविधा भी सुनिश्चित की जा रही है, जिसे कई विद्यालयों में लागू भी किया गया है। साथ ही अनुशासन व्यवस्था के साथ, लैब, पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष, एक्टिविटी कक्ष की व्यवस्थाएं व विद्यालय के वातावरण को हरा-भरा बनाया जा रहा है।

29 मार्च को होगा नए भवन का उद्घाटन

गांव मोई माजरी में राजकीय उच्च विद्यालय के नए भवन का निर्माण तकरीबन पूरा हो चुका है। कुछ छोटे-मोटे शेष कार्य बचे हैं, जिन्हें जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीद है कि मुख्यमंत्री 29 मार्च को मोई माजरी के राजकीय विद्यालय के नए भवन का उद्घाटन कर उसे विद्यार्थियों को सुपुर्द करेंगे। विद्यालय में आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा के स्तर को और सुधारा जाएगा।

- **नवीन गुलिया,** जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

सोनीपत। नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए अरुण बंसल साथ में समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

समाज सेवा समिति ने तीन जोड़ों का करवाया विवाह

वसुंधरा गार्डन में हुआ आयोजन

- कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष कमल दिवान व भाजपा नेता अरुण बंसल ने दर्ज करवाई उपस्थिति
- अरुण बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय समाज आपसी सहयोग और सौहार्द पर आधारित है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

वसुंधरा गार्डन में समाज सेवा समिति की ओर से नवरात्रि के अवसर पर सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। इस दौरान तीन जोड़ों का विवाह पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में शहर के समाजसेवी और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे, जिन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और गरीब कन्याओं के कल्याण के लिए समाज को आगे आने का संदेश दिया।

समाज सेवा समिति के प्रधान प्रवीण वर्मा ने बताया कि समिति का मूलमंत्र "नर सेवा नारायण सेवा" है, जिसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। समाजसेवी अरुण बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय समाज आपसी सहयोग और सौहार्द पर आधारित है। उन्होंने समिति की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे भी इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी बढ़ाएं।

कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष कमल दीवान ने भी आयोजन की सराहना की और कहा कि समाज सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिनके पास समय और संसाधन हैं, वे जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं। कार्यक्रम के अंत में प्रवीण वर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह समाज सेवा के कार्य जारी रखने की बात कही।

अपनी संस्कृति को जीवित रखना सच्चे नागरिक की पहचान : जैन

सोनीपत। दूसरे देश में जाकर अपनी संस्कृति को जीवित रखना सच्चे नागरिक की पहचान है। उक्त विचार नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने एक सोसाइटी के सम्मेलन में व्यक्त किये। उन्होंने सोसाइटी द्वारा भविष्य की योजनाओं पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया। समाज की बेटियों ने धर्म पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। सोसाइटी ने संकल्प लिया कि शहर में पशुपतिनाथ मंदिर, सामुदायिक भवन का निर्माण, गरीब बच्चों की पढ़ाई में मदद, भूखे व्यक्ति की अन्न सेवा, प्रकृति के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण, महिलाओं एवं युवाओं को स्वरोजगार के अवसर दिलवाने के लिए कौशल प्रशिक्षण कैम्प आयोजित किये जायेंगे। इस मौके पर कृष्ण नाथ पांडेय, शिव लाल, निशा, जीवन शर्मा, राजू पांडे, अनिशा, अनु थापा, तारा देवी, घनश्याम भुषाल, ऋषि पाल एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य आदि उपस्थित रहे।

समय पर उपचार सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता

स्वास्थ्य शिविर के दौरान जिले में 100 दिवसीय निक्षय अभियान की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) व जिला टीबी कार्यालय के सहयोग से रविवार को बच्चों में तपेदिक(टीबी) की शीघ्र पहचान और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पीडियाट्रिक टीबी डिटेक्शन एवं चाइल्ड हेल्थ केयर कैंप का आयोजन किया गया। टीबी जांच स्वास्थ्य शिविर के दौरान डिप्टी सीएमओ एवं जिला टीबी अधिकारी तरूण यादव ने जिला में 100 दिवसीय निक्षय अभियान की औपचारिक शुरूआत भी की।

इस दौरान डिप्टी सीएमओ एवं जिला टीबी अधिकारी डॉ. तरुण यादव ने कहा कि बच्चों में टीबी की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि 100-दिवसीय निक्षय अभियान के माध्यम से जिले में विशेष रूप से पीडियाट्रिक टीबी पर फोकस करते हुए टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक गति दी जाएगी। डॉ. यादव ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों में लगातार खांसी, बुखार, वजन में कमी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच करवाएं और स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ उठाएं।

शिविर में वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एन.के. मित्तल ने कहा कि बच्चों में टीबी की पहचान अक्सर चुनौतीपूर्ण होती है, इसलिए समय पर जांच और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। शिविर में बच्चों के लिए व्यापक एवं पूर्णतः निःशुल्क सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें बाल रोग परामर्श, टीबी स्क्रीनिंग, मुफ्त दवाइयां, एक्स-रे जांच और एचपीवी टीकाकरण शामिल रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सोनीपत अशोक भारद्वाज, कुण्डली नगर पालिका की चेयरपर्सन शिमला देवी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नीरज यादव, सीएचसी बढ़खालसा की एसएमओ डॉ. चितवन, कुण्डली स्थित शहरी स्वास्थ्य केन्द्र की एमओ डॉ. एचआर पासी, एमओ डॉ. चेतन, गन्नौर से बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जेएस धनखड़, आईएपी की अध्यक्ष डॉ. बलदेव राज, आईएचपी के सचिव डॉ. निशांत मित्तल सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

रोड की जर्जर हालत के विरोध में गड्ढे में बैठकर फल बेच जिला पार्षद का प्रदर्शन

सोनीपत। गोहाना रोड और ककरोई रोड की जर्जर हालत के विरोध में जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने अनोखा प्रदर्शन किया। उन्होंने सड़क किनारे बने करीब पांच फुट गहरे गड्ढे में बैठकर फल बेचते हुए प्रशासन और सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। संजय बड़वासनिया ने बताया कि सिटी सेंटर के पास भी बड़ा गड्ढा बना हुआ है। इस संबंध में नगर निगम कमिश्नर और पीडब्ल्यूडी विभाग को कई बार शिकायत और ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन केवल लीपापोती कर रहा है और आम जनता परेशान हो रही है। उन्होंने कहा कि करेवड़ी रोड सहित कई जगह सड़कें टूटी हुई हैं, जिनकी शिकायत पहले भी की गई थी।

राष्ट्रीय कैडेट कोर की सीटों की संख्या 20 लाख करने की घोषणा का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

कर्नल अशोक मोर ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की सीटों की संख्या 17 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने की घोषणा को युवाओं के लिए बड़ा अवसर बताया। कर्नल मोर ने बताया कि वर्ष 2020 में एनसीसी सीटों को 14 लाख से बढ़ाकर 17 लाख किया गया था और तभी इसे 20 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया था। अब इस दिशा में सरकार का कदम स्वागत योग्य माना जा रहा है। मोर ने बताया कि इस पहल में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है, इस विषय को लगातार उठाया और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय किया। सीटें बढ़ाने के निर्णय का स्वागत करते हुए कर्नल अशोक मोर ने कहा कि "यह फैसला देश के युवाओं के भविष्य को मजबूत करने वाला है। इससे लाखों युवाओं को एनसीसी से जुड़ने का अवसर मिलेगा एनसीसी कैडेट्स को अग्निवीर भर्ती, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राज्य पुलिस और अन्य क्षेत्रों में विशेष लाभ मिलता है।

जिलेभर में रक्तदान शिविरों का आयोजन, 207 ने किया खूनदान

गोहाना। श्री सति भाई साईं दास सेवा दल द्वारा रविवार को शहर के आदर्श नगर स्थित हंस ध्वनि सभागार में अपने वार्षिकोत्सव पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 6 महिलाओं समेत 67 नागरिकों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर महंत भाई राम सुख दास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि समाजसेवी गुलशन विरमानी, नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी, सन्नी आहूजा और रमन कत्याल थे। अध्यक्षता सेवा दल की गोहाना इकाई के अध्यक्ष हरीश चुघ ने की जबकि संयोजन कंवल चुघ और गगन चुघ का रहा। शिविर आयोजन समिति में राजीव चुघ, भावुक सिंधवानी, रमेश परुथी, गौरव चुघ, हरीश सिंधवानी और जगदीश शास्त्री शामिल रहे। महिला रक्तदाताओं में प्रिया, सुमन, लीना, ज्योति, नीरू और निशा ने रक्तदान किया।

30 यूनिट रक्त संग्रह

गोहाना। गांव बिचपड़ी स्थित दुर्गा माता मंदिर में रविवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 30 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। कार्यक्रम में हवन और भंडारा भी आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीणों के सहयोग से गोयल परिवार द्वारा आयोजित किया गया। महंत बलबीर दास जी महाराज एवं महंत सुखदेव जी महाराज ने रक्तदाताओं और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। शिविर में जितेंद्र शर्मा ने 61वीं बार तथा इंद्रजीत गोयल ने 46वीं बार रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया।

गोहाना। रक्तदाताओं को आशीर्वाद देते हुए संतजन।

108 यूनिट रक्तदान किया

गन्नौर। गांव खेड़ी गुर्जर स्थित गौशाला में श्री राम कल्याणकारी संगठन के तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर का शुभारंभ सरपंच जसवीर ने किया। शिविर में आसपास क्षेत्र के युवाओं, ग्रामीणों और स्वयंसेवकों ने कुल 108 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्त संग्रहण का कार्य पानीपत से आई विशेषज्ञ मेडिकल टीम ने किया, संगठन के सदस्य अमित छोकर (एडवोकेट) ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है, इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम में संगठन के सदस्य राजपाल, पाले राम, विनोद शर्मा, रविंदर, रवि, संदीप, सत्यवान, देवेंद्र, बिजेंद्र व रेवत फौजी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खरखौदा। औसत फसल के आकलन में जुटे कृषि अधिकारी।

सरसों की औसत पैदावार का आकलन करने के लिए किया फसल कटाई प्रयोग

खरखौदा। सरसों की फसल की औसत पैदावार का आकलन कने के लिए रविवार को कृषि विभाग के अधिकारियों ने उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ संदीप वर्मा की अगुवाई में गांव बिधलान में फसल कटाई प्रयोग किया। कृषि अधिकारियों ने चिह्नित खेत में अपनी निगरानी में सरसों की फसल कटाई कराई। कृषि विभाग की ओर से सहायक तकनीकी प्रबंधन दीपक दहिया ने फसल कटवाई। फसल को विभाग के कर्मचारी अपनी निगरानी में ही दाना अलग कराएंगे। इस आधार पर ही संपूर्ण खेत एवं क्षेत्र में औसत पैदावार का आकलन किया जाएगा। सरसों के साथ-साथ गेहूं, चना, जौ और सूरजमुखी की फसलों के उत्पादन का भी आकलन किया जाएगा। इसके लिए खेत चिह्नित किए जा रहे हैं। इस तरह से कृषि विभाग खरखौदा के कर्मचारी व अधिकारी फसल कटाई का प्रयोग करते है। कृषि विभाग खरखौदा के कृषि पर्यवेक्षक रघुराज सिंह दहिया ने बताया कि सरसों व गेहूं की कटाई के बाद जब दलहन, मूंग व ढैंचा की बिजाई करें तो समय रहते मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर अपनी फसल का पंजीकरण करें।

नंदवानी नगर स्थित मंदिर में 26 मार्च से 1 अप्रैल तक होगा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल शहरभर में किया प्रभु गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से रविवार को हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी सुबह मॉडल टाउन क्षेत्र से प्रारंभ होकर आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए वापस हरियाणा हाई स्कूल के पास संपन्न हुई। प्रभातफेरी के दौरान समिति के सदस्यों ने मार्ग में जगह-जगह पर हरिनाम की महिमा का वर्णन किया। पूरे रास्ते में हरे कृष्ण महामंत्र का गुणगान किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

कृष्ण कृपा दास, भागवत तत्व दास, रघुनंदन आचार्य दास ने बताया कि नंदवानी नगर स्थित मंदिर में 26 मार्च से 1 अप्रैल तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा में इस्कॉन प्रचार केंद्र, कुरुक्षेत्र से कथाव्यास सत्यापति दास श्रीमद्भागवम सुनाकर श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेंगे।

मॉडल टाउन स्थित सांईं मंदिर से 26 मार्च को सुबह 10 बजे भव्य कलश यात्रा निकालकर कथा का शुभारंभ किया जाएगा। रघु कुमार दास ने बताया की श्रीमद्भागवत कथा को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। कथा के दौरान प्रतिदिन भंडारा भी लगाया जाएगा। प्रभातफेरी में रमेश वत्स, ब्रज नारद दास, जगदीप पांचाल, बसंत, सहदेव प्राण दास, जयप्रकाश, चंद्रेश, शिवानी, सुनीता, वंदना सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोनीपत। मॉडल टाउन क्षेत्र में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नर भक्ति-सज्जन संगति ही सर्वोपरि : रामसुख दास

गोहाना। महंत रामसुख दास महाराज ने कहा कि संतों की सेवा करने का अवसर सभी को नहीं मिलता। यह सौभाग्य पूर्व जन्मों के अच्छे संस्कारों का फल होता है। उन्होंने कहा कि जिनके भीतर ऐसे संस्कार होते हैं, वही व्यक्ति सच्चे मन से सेवा और भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ पाते हैं। वे हंस ध्वनि सभागार में आयोजित सत्संग में श्रद्धालुओं को प्रवचन दे रहे थे। सानिध्य महंत रघुनंदन दास महाराज का रहा। महंत रामसुख दास महाराज ने कहा कि नर भक्ति और सज्जन संगति ही सर्वोपरि है। संतों की सेवा से ही सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं। अध्यक्षता हरीश चुघ ने की और संयोजन राजीव चुघ व रवि सिंधवा ने किया। भजन गायकों मुकुल लाल, आनंद गोविंद, साहिल चावला, राजेश पिपलानी सहित अन्य कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस मौके पर श्री सति भाई साईं सेवा दल की गोहाना इकाई द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 67 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि गुलशन विरमानी, नप अध्यक्ष रजनी विरमानी, इंद्रजीत विरमानी, सन्नी आहुजा और रमन कत्याल रहे। शिविर में रवि गाबा, मनोज, वीर आनंद मोर, चिराग मोर, श्याम सुंदर जिंदल, ललित शर्मा ने रक्तदान किया। इस मौके पर नेत्र जांच शिविर भी लगाया गया।

सोनीपत। कृष्ण मंदिर में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालु।

सुंदरकांड पाठ और रामकथा का आयोजन

सोनीपत। मोहनपुरा स्थित श्री कृष्ण मंदिर में शनिवार को श्री राम परिवार द्वारा सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन और श्री रामकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हनुमान प्राकट्य महोत्सव के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें श्री नित्यम जी हनुमान स्वरूप धारण करने के लिए अनुष्ठान पर विराजमान हैं। संस्था प्रमुख ओमप्रकाश अरोड़ा ने श्री रामचरितमानस के सीता विदाई प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि यह प्रसंग माता-पिता के त्याग और बेटी के विदा होने के दर्द को दर्शाता है। राजा जनक और माता सुनयना की भावनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने परिवारिक मूल्यों और संस्कारों पर प्रकाश डाला।

खबर संक्षेप

सोनीपत पुलिस का जागरूकता अभियान जारी

सोनीपत। सोनीपत में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना शहर सोनीपत के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने इंडियन स्कूल में आयोजित जूडो चैंपियनशिप के दौरान खिलाड़ियों को संबोधित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि नशा स्वास्थ्य के साथ-साथ भविष्य को भी प्रभावित करता है।

वनवासी कल्याण आश्रम का कार्यक्रम

सोनीपत। सेक्टर-14 स्थित कम्युनिटी सेंटर में वनवासी कल्याण आश्रम इकाई का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडोली मुख्य अतिथि, विधायक निखिल मदन अध्यक्ष तथा पूर्व मेयर राजीव जैन और पूर्व चेयरमैन ललित बत्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राजीव शास्त्री के भजनों से हुई।

वैदिक संस्कारों व देशभक्ति का दिया संदेश

सोनीपत। सोनीपत के अलीपुर स्थित आर्य समाज ऋषि नगर पुनर्स्थापित का त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव एवं दिव्य आध्यात्मिक सत्संग रविवार को यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था प्रधान विनोद कुमार बत्रा की अध्यक्षता में किया गया। समापन दिवस पर ब्रह्मा जी ने यज्ञ की पूर्णाहुति कराई, जबकि मंच संचालन हरि चन्द स्नेही वैदिक प्रवक्ता ने किया। यज्ञ संयोजक के रूप में आचार्य सत्य प्रकाश आर्य पुरोहित ने वेद पाठ कराया।

कैडेट्स की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

सोनीपत। हिन्दू गर्ल्स कॉलेज में एनसीसी फेस्ट 'लक्ष्य 2025–26' के अंतर्गत राष्ट्रीय एकीकरण जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पारंपरिक व्यंजनों और सजावट के माध्यम से 'विविधता में एकता' की भावना को जीवंत किया।

भूरी और कुमासपुर गांवों में गिरावट का दौर जारी

भूजल स्तर सर्वे रिपोर्ट जारी: जिले में सकारात्मक परिणाम आए सामने

■ वर्ष 2025 के मानसून सत्र के बाद ग्राउंड वाटर सेल की ओर से किया गया था भूजल स्तर सर्वे

कृषि विभाग के व्यापक कदम व ग्राउंड वाटर सेल विभाग की पैनी नजर का मिला परिणाम, सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता का दौर जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले के गांव भूरी व कुमासपुर में भूजल स्तर में गिरावट का दौर जारी है। हालांकि इस बीच जिले में भूजल स्तर को लेकर सकारात्मक परिणाम सामने आने से लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मानसून सीजन के बाद ग्राउंड वाटर सेल से किए गए सर्वे में सामने आया है कि सोनीपत के सभी खंडों में भूजल स्तर सुधार हुआ है। भूजल स्तर के सुधार को लेकर जहां कृषि विभाग की ओर से व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं, वहीं ग्राउंड वाटर सेल विभाग भी भूजल स्तर पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। ऐसे में भूजल सर्वे में रिपोर्ट मंत 1 से 2 मीटर का सुधार सामने आया है।

ग्राउंड वाटर सेल की ओर से एक वर्ष में दो बार भूजल स्तर का सर्वे निर्धारित है। जून-जुलाई व नवंबर-दिसंबर में किया जाने वाला सर्वे अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। वर्ष 2025 के मानसून सत्र के बाद ग्राउंड वाटर सेल की ओर से भूजल सर्वे किया गया था, इसकी रिपोर्ट में सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। रिपोर्ट के आधार पर ब्लॉक गन्नौर का भूजल स्तर 19.01 मीटर दर्ज हुआ है, जबकि यह पहले 20 मीटर था। ब्लॉक मुरथल में भूजल स्तर 25.72 मीटर तक पहुंच गया था, जो अब सुधार के साथ 24.61 मीटर पर पहुंचा है। हालांकि मुरथल में स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी है। गांव भूरी में भूजल स्तर 41 मीटर से अधिक गहराई पर बना हुआ है। वहीं गांव देवडू गांव में 32 मीटर, कुमासपुर गांव में 33.15 मीटर दर्ज हुआ है। इसके अलावा ब्लॉक गन्नौर के गांव अगवानपुर का भूजल स्तर 32, गुमड़ का 32, गन्नौर का 32, गांव लहराड़ा का 32 मीटर दर्ज किया गया है। पिछले कई वर्षों में पहली बार ब्लॉक गन्नौर का भूजल स्तर 19 मीटर के आसपास आया है। बता दें कि किसानों की ओर से जिले में बासमती धान की खेती अधिक मात्रा में की जाती है। गन्नौर, राई, मुरथल व जीटी रोड बेल्ट से जुड़े इन ब्लॉक में अधिक तेजी से भूजल का स्तर गिरता जा रहा था। यमुना किनारे होने के बावजूद इन क्षेत्रों में लगातार गिरता भूजल स्तर सरकार व प्रशासन की चिंता को बढ़ा रहे थे। इसके बाद भूजल संरक्षण के लिए सरकार की ओर से मेरा पानी-मेरी विरासत जैसी कई योजनाएं शुरू की गई। जिनका असर अब साफ दिखाई पड़ने लगा है।

सोनीपत। खेतों में सिंचाई के लिए चलाया गया ट्यूबवेल।

ब्लॉक अनुसार भूजल स्तर की नई रिपोर्ट

कथूरा - 4.04 मीटर
मुंडलाना - 4.41 मीटर
खरखौदा - 3.06 मीटर
राई - 14.03 मीटर
सोनीपत - 5.17 मीटर
मुरथल - 24.61 मीटर
गन्नौर - 19.01 मीटर

खरखौदा में सबसे ऊपर पानी, ब्लॉक राई, गोहाना में भी सुधरे हालात

अब तक जिले में गन्नौर व मुरथल के अलावा सबसे खराब भूजल स्तर ब्लॉक राई का आंका जा रहा था, लेकिन ताजा रिपोर्ट के आधार पर इस बार राई के भूजल स्तर में सुधार सामने आए हैं। राई में अब औसतन भूजल स्तर 15.44 मीटर से सुधरकर 14.03 मीटर पर पहुंच गया है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार ब्लॉक सोनीपत का औसत भूजल स्तर 5.17 दर्ज किया गया है। गोहाना की बात करें, तो यहां का भूजल स्तर 5.09 से सुधरकर 3.51 मीटर दर्ज हुआ है। ब्लॉक कथूरा में आंकड़ा 3.30 मीटर दर्ज हुआ है। जिले के ब्लॉक खरखौदा में सबसे ऊपर पानी मिला है।

मानसून में अच्छी बारिश का प्रभाव आया सामने

जिले में भूजल स्तर का अधिकतर इस्तेमाल सिंचाई के लिए किया जाता है। वर्ष 2025 में मानसून के दौरान सोच से ज्यादा अच्छी बारिश हुई थी, जिसका प्रभाव जिले में भूजल स्तर पर सकारात्मक परिणाम सामने लाया है। इसके अलावा दिसंबर 2025 में अंतिम दिनों में काफी बारिश दर्ज की गई। बता दें कि भूजल सुधार में बारिश प्रमुख स्त्रोत है, जिसका भूजल स्तर पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।

भूजल स्तर को लेकर सतर्कता बरती जा रही

लोगों में भूजल संरक्षण के लिए जागरूकता लाने के प्रयास किए जा रहे है। इसका उद्देश्य भूजलस्तर की गिरावट को खत्म कर उसमें सुधार लाना है। ग्राउंड वाटर सेल विभाग की ओर से सोनीपत के भूजल स्तर को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। वर्ष 2025 में मानसून सीजन के पश्चात भूजल स्तर का खास सर्वे करवाया गया था। जिसकी रिपोर्ट मुख्यालय भेज दी गई है।

-दलबीर सिंह राणा, ग्राउंड वाटर सेल प्रमुख, रोहतक रेंज

जल संरक्षण के प्रति कर रहे जागरूक

जिले में जल संरक्षण के प्रति लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है। धीरे-धीरे इसका असर दिखने लगा है। इस बार किसानों में प्राकृतिक खेती के प्रति बढ़े रुझान से भी भूजल स्तर पर सकारात्मक परिणाम मिले हैं। भूजल स्तर में और सुधार लाने के लिए कृषि विभाग निरंतर प्रयासरत है।

-डॉ. पवन शर्मा, उप निदेशक, कृषि विभाग, सोनीपत

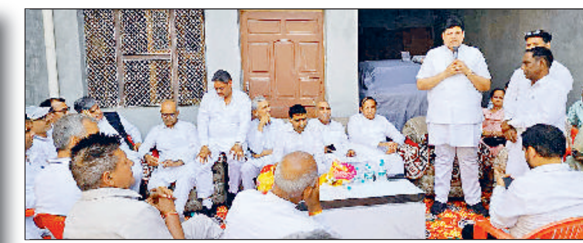

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमल दिवान, साथ में मंचासीन पूर्व विधायक जगबीर मलिक, सुरेंद्र पंवार आदि।

जनता की समस्याओं का समाधान करने वाले होंगे उम्मीदवार: कमल

■ कांग्रेस की 'न्याय समानता भाईचारा' यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, कमल दिवान ने भरी हुंकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर के विभिन्न वार्डों में रविवार को न्याय समानता भाईचारा संदेश यात्रा और जनसभाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान, जिला अध्यक्ष ग्रामीण संजीव दहिया व पूर्व विधायक सुरेंद्र पवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आगामी नगर निगम चुनाव में कांग्रेस केवल उन्हीं उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी, जो जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का माद्दा रखते हैं। कमल दिवान ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के पिछले नौ महीनों के कार्यकाल ने जनता को पूरी तरह निराश किया है। सरकार की कुनीतियां अब जनता के सामने उजागर हो चुकी हैं। कमल दिवान ने आरोप लगाया कि विकास कार्य केवल कागजों और सरकारी दावों तक सीमित हैं, जबकि धरातल पर लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। अभियान की शुरुआत पटेल नगर (वार्ड नंबर 9) से हुई, उषा दिनेश चौहान के नेतृत्व में न्याय समानता भाईचारा संदेश यात्रा निकाली गई।

बच्चों ने बेबी शो व जीनियस बोनांजा में दिखाई प्रतिभा

गन्नौर। सीसीएएस जैन स्कूल में रविवार को बेबी शो एवं जीनियस बोनांजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी भावना जग्या व डा. सुषमा रोहिल्ला ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व णमोकार मंत्र से हुई। बेबी शो में 2 से 6 वर्ष तक के बच्चों ने कविता, नृत्य व कहानी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। रंग-बिरंगी वेशभूषा कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। निर्णायक मंडल ने क्यूट बेबी, बेस्ट ड्रेसअप व बेस्ट परफार्मर सहित विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को सम्मानित किया। प्रधानाचार्या भूषण भाटिया ने बच्चों की सराहना करते हुए अभिभावकों का आभार जताया। उपप्राचार्या शालिनी जैन ने बताया कि जीनियस बोनांजा परीक्षा का परिणाम 28 मार्च को घोषित किया जाएगा।

आरपीएस विद्यालय में गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय ने अपनी सुविधाओं में विस्तार करते हुए छात्राओं के लिए एक नवनिर्मित एसी गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ गर्ल्स हॉस्टल में आयोजित भव्य हवन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में आरपीएस प्रबंधन समिति की सेक्रेटरी बिमला देवी, एडवोकेट नरेन्द्र राव, चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रेम राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सेक्रेटरी बिमला देवी ने कहा कि एक शिक्षित बेटी न केवल परिवार, बल्कि पूरे समाज का भविष्य संवारती है। उन्होंने बेटियों के आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल देते हुए इस आधुनिक छात्रावास को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि उनका उद्देश्य बेटियों को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें एक ऐसा सुरक्षित और घर जैसा पोषणकारी वातावरण प्रदान करना है। ग्रुप के सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि इस हॉस्टल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, ताकि छात्राओं को प्रतिस्पर्धा के इस युग में पढ़ाई के लिए सर्वोत्तम माहौल मिल सके। वहीं, डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने स्पष्ट किया कि परिसर में तकनीक और सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

महेंद्रगढ़। हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गन्नौर। चेयरमैन राकेश यादव विजेता अभिभावकों का सम्मान करते हुए।

बीआर ग्लोबल में परिवारोत्सव कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन

गन्नौर। खेड़ी रोड स्थित बी आर ग्लोबल विद्यालय के प्रांगण में परिवारोत्सव कार्यक्रम में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन राकेश यादव,शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल, उप प्रधानाचार्या मंजू सहरावत ने दीप प्रज्वलन से किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। विजयी प्रतिभागियों को पदक और उपहार दे कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर सम्पन्न हुई आर्ट और हैंडराइटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिले से चयनित विद्यालय की होनहार छात्रा सानवीं ने राष्ट्रीय स्तर पर बाज़ी मारते हुए नकद राशि जीती। विद्यालय के चेयरमैन राकेश यादव, शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल, उप प्रधानाचार्या मंजू सहरावत ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। विद्यालय की उप प्रधानाचार्या ने बताया कि घर के बुजुर्ग ही मजबूत नींव के समान होते हैं।

वार्ड 2 में 3 लाख से लगे तीन वाटर कूलर, विधायक ने किया उद्घाटन

हर वार्ड में मिलेगी मूलभूत सुविधा, सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं: कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शहर के वार्ड 2 के निवासियों और राहगीरों को अब भीषण गर्मी में ठंडे पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। नगरपालिका की ओर से करीब 3 लाख रुपए की लागत से वार्ड के तीन प्रमुख स्थानों पर नए वाटर कूलर स्थापित किए गए है। रविवार को बतौर मुख्यातिथि स्थानीय विधायक देवेंद्र कादियान ने अंबेडकर भवन, वाल्मीकि धर्मशाला और सातो माता मंदिर के पास इन वाटर कूलरों का रिबन काटकर विधिवत शुभारंभ किया। इससे पहले कार्यक्रम में पहुंचने पर वार्ड पार्षद कृष्ण टांक और स्थानीय मौजिज लोगों ने विधायक कादियान का फूलमाला के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक कादियान ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य गन्नौर के हर वार्ड को मूलभूत सुविधाओं से लैस करना है। गर्मी का मौसम शुरू होने वाला है, ऐसे में सार्वजनिक स्थानों पर ठंडे पानी की व्यवस्था करना हमारी प्राथमिकता थी। ये वाटर कूलर केवल मशीनें नहीं है, बल्कि राहगीरों और स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ी राहत है।

गन्नौर। वाटर कूलरों का रिबन काटकर विधिवत शुभारंभ करते विधायक।

रक्तदान शिविर में 133 यूनिट रक्त एकत्रित

सोनीपत। रक्तदाताओं के साथ संस्था पदाधिकारी।

सोनीपत। गांव जाखौली में भारतीय सेना के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 133 रक्तवीरों ने भारतीय सेना के लिए स्वेच्छा से रक्तदान कर राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दिया। प्रदीप बंसल ने शहीद दिवस की स्मृति में सभी रक्तवीरो का धन्यवाद किया। इस दौरान विपिन गौड़, प्रदीप बंसल, मुकेश सरोहा, सुमेर सरोहा, राजेश सोलंकी, विनय वशिष्ठ, इस्लाम अंसारी, राहुल राणा, राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

रौनक पब्लिक स्कूल में वार्षिक किडाथन खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाए जौहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल में वार्षिक किडाथन का आयोजन किया गया। इसमें 3 से 8 वर्ष तक के करीब 400 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में छोटे बच्चों के लिए क्राउलिंग, बनी व एलीफेंट रेस जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जबकि नर्सरी व एलकेजी के विद्यार्थियों के लिए बनाना ईटिंग व बाल कलेक्शन रेस रखी गई। यूकेजी व प्रथम कक्षा के बच्चों ने बैग पैकिंग, बाटल फिलिंग व वर्ड बिल्डिंग रेस में हिस्सा लिया, वहीं बड़ी कक्षाओं के लिए लेमन रेस, हर्डल रेस व सैक रेस का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सुरजीत सिंह नरवाल व विजय मलिक रहे। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक मजबूती के साथ अनुशासन व टीमवर्क भी सिखाते हैं। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। प्रधानाचार्य रजनी शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास व प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। अंत में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

गन्नौर। विजेता मयंक रापड़िया शेखपुरा को सम्मानित करतेअंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सुरजीत सिंह नरवाल व प्रिंसिपल ।

रैली में विकास का पिटारा खोलेंगे मुख्यमंत्री : डॉ. अरविंद

गोहाना। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा है कि गोहाना की धन्यवाद और विकास रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गांव, शहर, समुदाय, हर वर्ग की भलाई के लिए विकास परियोजनाओं का पिटारा खोलेंगे। रैली गोहाना में विकास की गाड़ी को तिगुना रफ्तार देते हुए गोहाना की सूरत बदलने का काम करेगी। रविवार को सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने गोहाना शहर में दर्जनभर स्थानों पर अलग, अलग समाज द्वारा आयोजित सभाओं को संबोधित करते हुए 29 मार्च को नई सब्जी मंडी, गोहाना में होने वाली विधानसभा धन्यवाद एवं विकास रैली का न्योता दिया। बलराज नगर में डीएससी समाज द्वारा आयोजित सभा में मंत्री ने कहा कि जिस प्रकार गोहाना की जनता ने पहली बार भाजपा का कमल खिलाने की जिम्मेदारी निभाई है, उसी प्रकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इलाके में मूलभूत सुविधाओं को बढाने और विकास को तिगुनी रफ्तार देने के लिए पिटारा खोलकर सौगात देंगे।

बहादुरगढ़। काउंटी मॉडल का अनावरण करते यशांक वासन और वरुण मखीजा।

रॉयल ग्रीन रियलिटी ने सोनीपत काउंटी किया लॉन्च

बहादुरगढ़। रॉयल ग्रीन रियलटी ने कुंडली-सोनीपत में आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त गेटिड टाउनशिप सोनीपत काउंटी को लॉन्च किया है। हवन के साथ ही रॉयल ग्रीन रियलटी के एमडी यशांक वासन और डायरेक्टर वरूण मखीजा ने कंपनी के लग्जरी एक्सपीरियंस सेंटर और एक्सक्लूसिव सेल्स गैलरी का इनॉगरेशन भी किया। लॉन्चिंग इवेंट में चैनल पार्टनर और इन्वेस्टर्स को सम्मानित करते हुए एमडी यशांक वासन ने बताया कि करीब 13.75 एकड़ की इस टाउनशिप में 125 से 180 वर्ग गज के 207 आवासीय प्लॉट हैं। सोनीपत काउंटी में 10 से 18 मीटर की आंतरिक सड़कें, सीसीटीवी सर्विलांस और 24 घंटे सुरक्षा, स्मार्ट स्ट्रीट लाईटिंग, ईवी चार्जिंग स्टेशन, अंडरग्राउन्ट फाईबर वायरिंग और 100 प्रतिशत पॉवर बैकअप की सुविधा है। यहां 50 हजार वर्ग फीट के क्लब हाउस के साथ स्वीमिंग पूल, जिम, बैंक्वेट हॉल और स्पोर्टस एरिना भी है। करीब 2 एकड़ के सैंट्रल ग्रीन क्षेत्र को विकसित किया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

चैत्र नवरात्र का मनाया चौथा नवरात्र, पूजन के लिए सुबह-शाम मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

मां दुर्गा के कुष्मांडा स्वरूप का किया पूजन, मंदिरों में गूंजे जयकारे

■ शहर के सिद्धपीठ श्रीदेवी चिटाना वाली माता मंदिर, मां श्री चंडी मंदिर सहित प्राचीन मंदिरों में की गई विशेष पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

चैत्र नवरात्र उत्सव के चौथे दिन रविवार को श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के चौथे स्वरूप कूष्मांडा की विधिविधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद लिया। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दरबार में मत्था टेककर घर-परिवार, समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि, खुशहाली की कामना की। दिनभर पूजा-अर्चना के साथ मां जगदंबा के जयकारे गूंजते रहे। शहर के देवी मंदिरों सहित माता के दरबार को फूलमाला व लाल चुनरी से सजाया गया। मंदिरों में श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ मिलकर माता रानी की सामूहिक आरती की। हलवाई हट्टा स्थित श्रीदेवी चिटाने वाली माता मंदिर सिद्धपीठ, कामी रोड स्थित सिद्धपीठ प्राचीन श्री चंडी मां महाकाली मंदिर, गांव चिटाना स्थित प्राचीन चिटाने वाली माता मंदिर सिद्धपीठ, मॉडल टाउन स्थित नवदुर्गा माता मंदिर, सेक्टर-14 स्थित माता चिंतपूर्णी मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। कई मंदिरों व घरों में दुर्गा सप्तशती, दुर्गा चालीसा का पाठ भी किया गया। महिला संकीर्तन मंडली ने माता रानी का कीर्तन कर गुणगान किया। वहीं गांव चिटाना स्थित सिद्धपीठ श्रीदेवी चिटाना वाली माता मंदिर में भी नवरात्र उत्सव हर्षोल्लास व श्रद्धाभाव से मनाया जा रहा है। मंदिर परिसर को लाइटों की लड़ियों व फूलों से सजाया गया है। नंदवानी नगर स्थित शिव शक्ति धाम में महामंडलेश्वर अंजनी देवा महाराज व पंडित रामकृष्ण पाठक ने अनुष्ठान कर विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना की। वहीं नवरात्र उत्सव में चल रहे अनुष्ठान के लिए शहरवासियों ने बाजार में पूजन सामग्री व प्रसाद की खरीदारी की।

आज मां स्कंदमाता की होगी आराधना

पंडित अमित शौनक ने बताया कि नवरात्र के पांचवें दिन मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा की जाएगी। भगवान स्कंद (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के पांचवें स्वरूप को स्कंदमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासना देवी भी कहा जाता है। स्कंदमाता की साधना से साधकों को आरोग्य, बुद्धिमता व ज्ञान की प्राप्ति होती है। जगत जननी के कूष्मांडा स्वरूप की आठ भुजाएं हैं, इसलिए इन्हें अष्टभुजा देवी के नाम से भी जाना जाता है।

छठ की कढ़ाई कल

जिले में चिटाने वाली माता की सदियों से मान्यता है। हलवाई हट्टा स्थित श्रीदेवी चिटाने वाली माता मंदिर सिद्धपीठ व गांव चिटाना स्थित सिद्धपीठ श्रीदेवी चिटाना वाली माता मंदिर में नवरात्र उत्सव की षष्ठी तिथि छठ के दिन 24 मार्च को दोपहर 2:30 बजे माता रानी की कढ़ाई की जाएगी। सप्तमी के दिन 25 मार्च को कामी रोड रामलीला मैदान में सुबह 5 बजे मेला प्रारंभ किया जाएगा। माता रानी मंदिर से प्रस्थान कर मेला स्थल पर विराजमान होंगी। हर वर्ष की भांति दिल्ली, उत्तर प्रदेश से भी श्रद्धालु माता रानी की पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे।